सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2024

द्वितीय प्रश्न–पत्र

पाठ्यक्रम–संस्कृत व्याकरण

प्रथमइकाई — वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदी में संज्ञाप्रकरण, सन्धिप्रकरण, कारकप्रकरण,तद्धित में अपत्याधिकारप्रकरण	
	विषय
•	संज्ञाप्रकरण— संज्ञाओं का परिचय, संज्ञाओं की आवश्यकता, संज्ञासूत्रों में संज्ञासंज्ञिभावविमर्श, संज्ञासूत्रों का परिचय, अन्योन्याश्रयदोषविचार, उपदेशपदार्थनिश्चय वर्णों के स्थानप्रयत्नों का निर्धारण, प्रयत्नसंख्याविमर्श, सवर्णग्राहकताविचार, तदन्तबोधकताविचार, प्रत्याहारसंख्याविमर्श
•	सन्धिप्रकरण— सन्धिपरिचय, सन्धि की परिभाषा, सन्ध्यभाव का कारण, अच्सन्धि, हल्सन्धि, विसर्गसन्धि, स्वादिसन्धियों के उदाहरणों का निश्चय तथा निर्धारण, सन्धिविवक्षाकारण सन्धिविधायक सूत्रों का वाक्यार्थबोधनिश्चय
•	कारकप्रकरण— कारकपरिचय, कारक की परिभाषा, कारकनिर्णायकतत्त्व, प्रथमाकारकविचार, द्वितीया-तृतीया-चतुर्थीकारकविमर्श, पञ्चमीकारकविमर्श, षष्ठी का कारकत्वाऽभावसाधन, षष्ठीविमर्श, अधिकरणभेद, सप्तम्यर्थविमर्श, सप्तमीकारकविमर्श
•	प्रतिपदिकार्थलक्षणनिश्चय, कर्मलक्षण कर्ता एवं करणलक्षण, सम्प्रदानलक्षण, अपादानलक्षण, अधिकरणलक्षणविचार
•	तद्धितप्रत्ययपरिचय— तद्धितप्रत्ययों की प्रकृतिविचार, तद्धितप्रत्ययान्तों की प्रातिपदिकसंज्ञाविचार, तद्धित के अपत्याधिकारप्रकरण में पठित सूत्रों में स्त्रीपुंसाभ्यां नञ्स्नञौ भवनात्" सूत्र से लेकर कन्यायाः कनीन च " सूत्र तक पठित सूत्रों के द्वारा विहित प्रत्ययों का विमर्श। तद्धित के अपत्याधिकारप्रकरण में पठित सूत्रों में " विकर्ण—जात्रिषु, सूत्र से लेकर " न गोपवनपादिभ्यः" सूत्रपर्यन्त सूत्रों के द्वारा विहित प्रत्ययों का विमर्शः। तद्धित के अपत्याधिकारप्रकरण में पठित सूत्रों में तिककितवादिभ्यो द्वन्द्वे" से लेकर 'जनपदशब्दात् क्षत्रियादञ्" सूत्रपर्यन्त विहित प्रत्ययों के उदाहरणविमर्श। तद्धित के अपत्याधिकारप्रकरण में पठित सूत्रों में साल्वेयगान्धारिभ्यां च" सूत्र से लेकर दैवयज्ञि—अन्यतरस्याम्, सूत्रपर्यन्त विहितप्रत्ययों का अर्थ विमर्श।
द्वितीय इकाई — लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार धातुरूप भ्वादि से चुरादि पर्यन्त सभी धातुएं, कृदन्त एवं समास	
•	कृत्प्रत्ययपरिचय, कृत्प्रत्ययों की प्रकृतिनिश्चय, कृत्प्रत्ययार्थविमर्श, कृत्प्रत्ययनिष्पन्नशब्दज्ञान, समासलक्षण, समासभेद, समासनिर्धारणतत्त्व, समासनिष्पन्नशब्दज्ञान।
•	दशगणपरिचय, गणों में परिगणित धातुसंख्याविचार, सौत्रधातुविचार, सौत्रीयधातुज्ञानकारणविमर्श,
•	भ्वादिगण तथा अदादिगण में पठित धातुओं के उभयपद (परस्मैपद—आत्मनेपद) सहित सभी लकारों में क्रियावाचकरूपपरिशीलन,
•	जुहोत्यादि तथा दिवादि गण पठित धातुओं के उभयपद (परस्मैपद—आत्मनेपद) सहित सभी लकारों में क्रियावाचकरूपविमर्श,
•	स्वादि तथा तुदादि गण पठित धातुओं के उभयपद (परस्मैपद—आत्मनेपद) सहित सभी लकारों में क्रिया वाचक रूपों का ज्ञान, रुधादि, क्रयादि, तनादि, चुरादिगण पठित धातुओं के उभयपद (परस्मैपद—आत्मनेपद) सहित सभी लकारों में क्रियावाचकरूपविमर्श
तृतीय इकाई — वैय्याकरणसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार अजन्तशब्दों के सभी विभक्तियों के रूपों का ज्ञान	
•	शब्दलिङ्भेदविचार, अदन्तशब्दविभक्तिविमर्श
•	हरि, भानु, ग्लै शब्दों के रूपों का सभी विभक्तियों में विमर्श
•	रै, ज्ञान, श्री शब्दों के रूपों का सभी विभक्तियों में ज्ञान
•	ऋदन्त शब्दों के रूपों का सभी विभक्तियों में ज्ञान

•	एदन्त, लृदन्तशब्दों के रूपों का सभी विभक्तियों में परिशीलन
चतुर्थ इकाई— न्यायसिद्धान्तमुक्तावली में शब्दखण्ड	
•	शब्दखण्ड का परिचय, शक्तिग्रहत्यागकारणविचार
•	उक्ताऽनुक्तविचार, शाब्दबोधप्रकारविचार, पदभेदविचार, शक्तिग्राहककारणविचार, लक्षणाकारणविचार
•	व्यक्तिशक्ति में प्रमाणविचार, लक्षणाकारणविचार, शक्यार्थसम्बन्धनिर्णय
•	समासों में लक्षणाविचार, शाब्दबोध में आसत्तिविचार, समासों मे प्रधानाऽप्रधानविमर्श
•	शाब्दबोधकारणविचार, योग्यता, आकांक्षा, तात्पर्य, स्वरूपविचार एवं इनकी शाब्दबोध में उपयोगिता,
पञ्चम इकाई – व्याकरणमहाभाष्य के अनुसार व्याकरणाऽध्ययनप्रयोजन (पस्पशाह्निक)	
•	व्याकरणाऽध्ययन के उद्देश्य, व्याकरणाऽध्ययन के भेद
•	व्याकरणाऽध्ययन के प्रयोजनो में रक्षा, ऊह, आगम, लघु, अन्देह रूप प्रयोजनविचार
•	व्याकरणाऽध्ययन के गौण प्रयोजनों में से तेऽसुराः, दुष्टः शब्दः, यदधीतम्, प्रयोजनों का विमर्श
•	यस्तु प्रयुङ्क्ते, अविद्वान्सः, विभक्तिं कुर्वन्ति, यो वा इमाम् इति व्याकरणाऽध्ययनों का परिशीलन
•	चत्वारि, उत त्वः, सक्तुमिव, सारस्वतीम्, दशाम्यां पुत्रस्य, सुदेवो असि वरुण, आदि व्याकरणाऽध्ययनों का विचार
षष्ठ इकाई— वाक्यपदीयब्रह्मकाण्ड के अनुसार ध्वनि एवं स्फोटस्वरूप तथा भेदविवेचन, शब्दब्रह्मस्वरूप एवं तत्प्राप्त्युपाय विवेचन	
•	ध्वनिलक्षण, ध्वनिभेद, ध्वनिव्यञ्जकता एवं स्फोटस्वरूप, तथा भेदविवेचन, शब्दब्रह्मस्वरूप विवेचन
•	कालशक्तिस्वरूपविवेचन पुरस्सर प्रथम कारिका से 31 कारिका तक विषयों का परिशीलनात्मकज्ञान
•	अनुमानप्रमाण की न्यूनताविमर्श कारण सहित 32 कारिका से 63 कारिकापर्यन्त समागत विषयों का परिशीलन
•	प्रकर्षहेतुक गुणों के विवेचन पूर्वक 64 कारिका से 80 कारिका तक प्रतिपादितविषयों का विमर्श
•	शब्द की अभिव्यङ्गता अथवा जन्यता का विचारपुरस्सर 96 कारिका से 110 कारिका पर्यन्त विवेचित विषय का अनुसंधानात्मकविमर्श
सप्तम इकाई - वैयाकरणभूषणसार	
•	व्यापारलक्षण, फललक्षण, व्यापारप्रतीतिसाधन, धात्वर्थविषये मतमतान्तरविवेचन, धात्वाख्यातार्थविषये वैयाकरणमतम्, आख्यातार्थपदार्थविवेचनम्, लकारार्थविमर्श
•	प्रथमाद्वितीयातृतीयाविभक्तियों का अर्थ विचार, कर्मत्वस्वरूपविचार, करणत्वस्वरूपविचार, द्वितीयाविभक्ति का अर्थ कर्म है अथवा कर्मत्व एतद्विषयक विचार, पूर्वोक्तसिद्धान्त में प्रमाणविचार, नामार्थविचार, नामार्थलक्षण, नामार्थभेद
•	सम्प्रदानलक्षणविचार, अपादानलक्षणविचार, चतुर्थीविभक्त्यर्थविचार, शेषाशेषिभावविचार पञ्चमीविभक्त्यर्थविचार पञ्चमीप्रयोगविधिविचार, षष्ठिविभक्त्यर्थविचार,
•	अधिकरणलक्षणविचार, अधिकरणभेदविचार सप्तमीविभक्त्यर्थविचार, सप्तमीभेदविचार, तिङर्थ विचार, तिङर्थविषये मतमतान्तरविचार, तिङर्थान्वय विचार शक्तिनिर्णय
•	त्वादिभावप्रत्ययार्थनिर्णयविमर्श, देवताप्रत्ययार्थनिर्णय, संख्यालक्षण, संख्याविवक्षाऽविवक्षा, क्त्वाद्यर्थ, स्फोटसंख्या, स्फोटलक्षण, स्फोटनिर्णय , स्फोटविषय के विषय में मतमतान्तर, स्फोटावश्यकता, इत्यादिविचार
अष्टम इकाई- वैयाकरणभूषणसार के अनुसार समासशक्ति विचार	
•	समासलक्षणविचार, समाससंख्याविचार,
•	समासभेद के उदाहरणविचार, समास में शक्ति
•	समास में सामर्थ्यविचार एकार्थीभावलक्षणविचार, व्यापेक्षालक्षणविचार

•	समास मे व्यपेक्षा की सिद्धि एवं उसका निराकरण
•	समास में मतान्तररीति से शक्तिखण्डन, सप्रमाण एकार्थीभाव की सिद्धि, समास में भेदशक्तिविचार, अभेदशक्तिविचार, भेदाभेदशक्तिविचार
नवम इकाई - वाक्यपदीयब्रह्मकाण्ड के रीति से शब्दस्वरूपविमर्श	
•	षोढा प्रातिपदिकार्थ की सिद्धिविचार, शब्दाभिव्यक्तिविचार,
•	शब्दस्वरूपविचार,शब्द का जगत्कारणत्वविचार, शब्दाभिव्यक्तिविचार, 81 कारिका से 95 कारिका तक समागत विषय का अनुसंधानात्मक समालोचन
•	शब्द का सर्वव्यवहारसाधनविचार, शब्द प्राणी मात्र की चेष्टा का कारण अथवा अकारण विचार
•	111 से 140 कारिका तक समागत विषयों का परिशीलनात्मकविचार।
•	शब्द की स्वाभाविक साधुता का विचार, अर्थानुसार शब्द की साधुता का विचार 141 से 156 कारिका तक निहित विषय का पर्यालोचन
दशम इकाई - वैयाकरणभूषणसार के अनुसार नञर्थनिर्णय, निपातार्थनिर्णय	
•	नञर्थलक्षणविचार, नञर्थभेदविचार
•	नञर्थभेद के उदारणों का विमर्श, नञर्थ की द्योकताविचार नञर्थ की वाचकता विचार, उभय मत का पर्यालोचन मतद्वय मे प्रमाणमीमांसा
•	निपातलक्षणविचार, निपात में शक्तिविचार,
•	निपात की द्योतकताविचार, निपात की वाचकता विचार, मतद्वय समीक्षा,
•	निपातार्थ के विषय में मतमतान्तरों का विचार, निपातार्थनिर्णय प्रकरण की समीक्षा

---XXX---